



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 02 जुलाई, 2026

जारी करने का समय: 1410 घंटे

- विषय: (i) अगले 2-3 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के गुजरात, मध्य प्रदेश के बाकी हिस्सों, हरियाणा और पंजाब, और राजस्थान के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए हालात अनुकूल हैं।
- (ii) आज, 02 जुलाई 2026 को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून गुजरात के कुछ और हिस्सों, उत्तर प्रदेश के बाकी हिस्सों, पूरे दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के ज्यादातर हिस्सों और राजस्थान के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है।
- (iii) उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बना है। इसके परिणामस्वरूप, अगले 5 दिनों के दौरान देश के मध्य भागों में मॉनसून के सक्रिय रहने की संभावना है।
- (iv) 2 से 5 जुलाई के दौरान दक्षिण गुजरात क्षेत्र और कोंकण में; 2 से 4 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में; 3 और 4 जुलाई को पश्चिम मध्य प्रदेश और ओडिशा में; और 3 से 5 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):

- ❖ आज, 02 जुलाई 2026 को दक्षिण-पश्चिम मॉनसून गुजरात के कुछ और हिस्सों, उत्तर प्रदेश के बाकी हिस्सों, पूरे दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के ज्यादातर हिस्सों और राजस्थान के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है।
- ❖ 02 जुलाई तक मॉनसून की उत्तरी सीमा 22°N/60°E, 22°N/65°E, पोरबंदर, वल्लभ विद्यानगर, नीमच, टोंक, भिवानी, भटिंडा और 32.5°N/70°E से होकर गुजरती है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के उत्तरी अरब सागर के कुछ और हिस्सों, गुजरात, मध्य प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के बाकी हिस्सों और राजस्थान के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए हालात अनुकूल हैं।

आज, 02 जुलाई, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

- ❖ मुंबई सहित कोंकण में बहुत ज्यादा बारिश (≥ 21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और ओडिशा में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और सौराष्ट्र और कच्छ में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ विदर्भ और मध्य महाराष्ट्र में 60-125 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया; वहीं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, कोंकण, गुजरात राज्य, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ जगहों पर 40-60 किमी/घंटा की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान की स्थिति रही।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III):

- ❖ उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा तट पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवाती परिसंचरण) के असर से, आज 2 जुलाई को सुबह 8:30 बजे (IST) उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों पर कम दबाव का क्षेत्र (Low-Pressure Area) बना है। अगले 2-3 दिनों में इसके और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है।
- ❖ समुद्र तल पर मौसमी ट्रफ (seasonal trough) अब उत्तर-पश्चिम राजस्थान से शुरू होकर, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश और उत्तरी छत्तीसगढ़ में मौजूद साइक्लोनिक सर्कुलेशन से होते हुए, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी (जो उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तटों से सटी है) में बने कम दबाव के क्षेत्र के केंद्र तक जा रही है और निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर तक फैली हुई है।
- ❖ समुद्र तल पर दक्षिण गुजरात से कर्नाटक तक एक ऑफ-शोर ट्रफ (off-shore trough) बनी हुई है।
- ❖ मध्य ट्रोपोस्फेरिक वेस्टर्लीज़ (पछुआ हवाओं) में एक ट्रफ के रूप में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) बना हुआ है, जिसकी धुरी समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर, लगभग 62°E देशांतर और 32°N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ निचले और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक स्तरों के बीच लगभग 21°N अक्षांश के साथ एक शियर ज़ोन (shear zone) बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 2-3 जुलाई और 7-8 जुलाई के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 2-3 जुलाई और 5-8 जुलाई के दौरान; उत्तराखंड में 2-8 जुलाई के दौरान काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में 2 जुलाई और 5-8 जुलाई के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2 जुलाई और 5-7 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 5-7 जुलाई के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 4-8 जुलाई के दौरान काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 4-6 जुलाई के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 4 जुलाई को कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में 3-4 जुलाई के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 3-4 जुलाई और 8 जुलाई को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2-4 जुलाई और 8 जुलाई को; पश्चिमी राजस्थान में 2-8 जुलाई के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 2-3 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 2-8 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में 2-8 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2 जुलाई को; पश्चिमी राजस्थान में 3-8 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 3-4 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में 2-3 जुलाई; हिमाचल प्रदेश में 4 जुलाई और 7-8 जुलाई; उत्तराखंड में 4-8 जुलाई; हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 2 जुलाई और 5-8 जुलाई; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 2-7 जुलाई; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2-8 जुलाई; पश्चिमी राजस्थान में 5-7 जुलाई; पूर्वी राजस्थान में 7-8 जुलाई को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश में 2-3 जुलाई और 5-6 जुलाई; उत्तराखंड में 2-3 जुलाई; पूर्वी राजस्थान में 2-6 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 2 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 2 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 2 से 8 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और विदर्भ में 2 से 5 जुलाई और 7 से 8 जुलाई के दौरान काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 6 जुलाई को विदर्भ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 3 जुलाई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 2 से 3 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 3 से 4 जुलाई; पूर्वी मध्य प्रदेश में 2 जुलाई और 5 से 8 जुलाई; विदर्भ में 4 जुलाई और 7 से 8 जुलाई; छत्तीसगढ़ में 4 से 8 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 2 जुलाई और 5 से 8 जुलाई; पूर्वी मध्य प्रदेश में 3 से 4 जुलाई; छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 2 से 3 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 03 और 04 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 02 और 03 जुलाई को इस क्षेत्र में मध्यम से तीव्र बिजली गिरने की गतिविधि होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 2 से 8 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है; झारखंड में 2 जुलाई और 4 से 8 जुलाई के दौरान; बिहार में 5 से 6 जुलाई के दौरान।
- ❖ 3 जुलाई को झारखंड में; 2 से 4 जुलाई और 7 से 8 जुलाई के दौरान बिहार में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 8 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और झारखंड में; 2 से 4 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 2 जुलाई और 5 से 6 जुलाई के दौरान बिहार में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 2 से 8 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 5 से 8 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 3 से 4 जुलाई और 7 से 8 जुलाई के दौरान बिहार में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 7 से 8 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 3, 6 और 8 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 4 से 8 जुलाई के दौरान झारखंड में; 2 से 6 जुलाई के दौरान बिहार में; 3 से 4 जुलाई और 7 से 8 जुलाई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 4 से 5 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 2 जुलाई और 5 से 6 जुलाई के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3 और 4 जुलाई को ओडिशा में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 और 3 जुलाई को इस क्षेत्र में मध्यम से तीव्र बिजली गिरने की गतिविधि होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 2 से 8 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 8 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3 से 4 जुलाई के दौरान असम और मेघालय में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 2 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ 3 से 4 जुलाई के दौरान असम और मेघालय में; और 2 से 4 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 2-8 जुलाई के दौरान रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 4-5 जुलाई के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 2 जुलाई और 5-8 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 3-8 जुलाई के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-8 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 2-3 जुलाई और 6-8 जुलाई के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 3-4 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 2 जुलाई को तेलंगाना में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-6 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में; 2 जुलाई और 4-8 जुलाई को तेलंगाना में कहीं-कहीं आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 2-4 जुलाई के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2-8 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 3 जुलाई को तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 3-4 जुलाई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 2 जुलाई और 4-8 जुलाई को केरल और माहे में; 2-8 जुलाई के दौरान उत्तर आंतरिक कर्नाटक में; 2-4 जुलाई के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में; 2-5 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 3 जुलाई को केरल और माहे में; 2-8 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 5-8 जुलाई के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 2-8 जुलाई के दौरान कर्नाटक और तेलंगाना में; 2-6 जुलाई के दौरान रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 2-8 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र और कोंकण व गोवा में; 2-6 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र और सौराष्ट्र व कच्छ में; और 2-3 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 7-8 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र और सौराष्ट्र व कच्छ में; और 4-8 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-4 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 2-5 जुलाई और 7-8 जुलाई के दौरान कोंकण व गोवा में; 3-5 जुलाई और 7-8 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 3 जुलाई को मराठवाड़ा में; 2-5 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 2-4 जुलाई और 7-8 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 6 जुलाई को कोंकण व गोवा में; 2 और 6 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में; 6-8 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र में; और 5-6 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 02-05 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र और कोंकण में; 02-04 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र व कच्छ में; और 03-05 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम/दिन के तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ 8 जुलाई, 2026 तक देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

लू (हीट वेव), गर्म और उमस भरे मौसम तथा गर्म रात की स्थितियों की चेतावनी:

- ❖ 2 से 6 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम के मैदानी इलाकों में गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

अरब सागर:

- ❖ गुजरात, कोंकण, गोवा और कर्नाटक के तटों के पास और उनसे सटे पूर्वी-मध्य और उत्तर-पूर्वी अरब सागर में; सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे सटे इलाकों में, साथ ही दक्षिण-पश्चिम और मध्य अरब सागर (जो उत्तर अरब सागर से सटा है) के ज्यादातर हिस्सों में 7 जुलाई तक; केरल के तटों के पास और उनसे सटे इलाकों में, तथा लक्षद्वीप इलाके में 2 से 5 जुलाई के दौरान।

बंगाल की खाड़ी:

- ❖ 5 जुलाई को मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन इलाके में; 3 और 6 जुलाई को दक्षिण श्रीलंका के तटों और उनसे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में; 5 जुलाई को दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; गंगा के मैदानी इलाके वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास और उनसे सटे इलाकों में, साथ ही उत्तर, मध्य और दक्षिण बंगाल की खाड़ी के सटे हुए हिस्सों और अंडमान सागर के ऊपर 7 जुलाई तक; और 6 जुलाई तक दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के पास और उनसे सटे इलाकों में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 02 से 05 जुलाई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ कोंकण: माथेरान (रायगढ़) 21, जुहू एयरपोर्ट 21, सांताक्रूज़ 20
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: चुनार (मिर्जापुर) 12
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: केवलारी (सिवनी) 17
- ❖ छत्तीसगढ़: दंतेवाड़ा 15
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: लोनावाला (पुणे) 12
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: मायाबंदर 10
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: बशीरहाट 8
- ❖ जम्मू-कश्मीर: कठुआ 9
- ❖ हिमाचल प्रदेश: पौंटा साहिब 10
- ❖ उत्तराखंड: नरेंद्रनगर 11
- ❖ पंजाब: लुधियाना (जिला लुधियाना) 9, फरीदकोट एडब्ल्यूएस (जिला फरीदकोट) 9,
- ❖ हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली: उकलाना रेलवे (जिला हिसार) 7, अटेली (जिला महेंद्रगढ़)
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: गुन्नौर (संभल) 10
- ❖ पूर्वी राजस्थान: जहाजपुर (जिला भीलवाड़ा) 11
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: मुलताई (बैतूल) 11
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: सावरकुंडला (अमरेली) 8
- ❖ केरल और माहे: कुडुलु (जिला कासरगोड) 12, मुलियार (जिला कासरगोड) 10, मडिक्कई (जिला कासरगोड) 10
- ❖ तटीय कर्नाटक: मानकी (जिला उत्तर कन्नड़) 11, कारवार ऑब्सि (जिला उत्तर कन्नड़) 11
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: कोट्टीगेहारा (जिला चिक्कमगलुरु) 11
- ❖ तेलंगाना: सिरपुर (जिला कुमारम भीम) 11

तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ मध्य महाराष्ट्र: दौंडाइचा (धुले) - 124; महाबलेश्वर (सतारा) - 59; कराड (सतारा)-48
- ❖ विदर्भ: वर्धा 107
- ❖ असम और मेघालय: मानस - 68; गोसाईगांव - 54; मावकिरवाट - 39; मौसिनराम - 39; केवीके - 35; एईजीसीएल - 33; जोवाई - 33; तिनसुकिया - 31; जोरहाट - 31; स्टेशन-31
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: कोविलपट्टी (थूथुकुडी) - 59; नीलगिरी) - 57; नमक्कल - 50; कराईकल - 48; वेदसंदुर (डिंडीगुल) - 46; तिरुचेंदुर (थूथुकुडी) - 44; इसरो - 43; पेरम्बलुर - 43; अरियालुर - 43; इसरो - 41; होसुर(कृष्णागिरि)-41; अम्फू (कन्याकुमारी) - 39; मयिलादुथुराई - 39; कलावई (रानीपेट) - 39; रानीपेट - 39
- ❖ मराठवाड़ा: वैजनाथ (बीड) - 56; अंबेजोगाई (बीड)-44
- ❖ कोंकण और गोवा: सांताक्रूज़ (मुंबई) - 52; दापोली (रत्नागिरि)-43
- ❖ सौराष्ट्र एवं कच्छ: खावड़ा 52
- ❖ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख: रामबन - 50
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: 5 - स्टेशन सीहोर - 48; रायसेन - 33; भोपाल - 31; मंदसौर-30
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: वाराणसी एपी-46; लखनऊ (एपी)-33
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अहमदाबाद 44
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: वोखा - 39; पानीसागर - 37; कामजोंग - 35; कैलाशहर - 33
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: हिंडन (आईएफ) - 39
- ❖ छत्तीसगढ़: कोरबा - 37
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: अनिनी - 33
- ❖ उत्तराखंड: अम्फू - 33; मुक्तेश्वर-33
- ❖ पूर्वी राजस्थान: करौली - 33; किशनगढ़-31
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: 4 - स्टेशन पन्ना - 31; पन्ना - 31; शहडोल-30

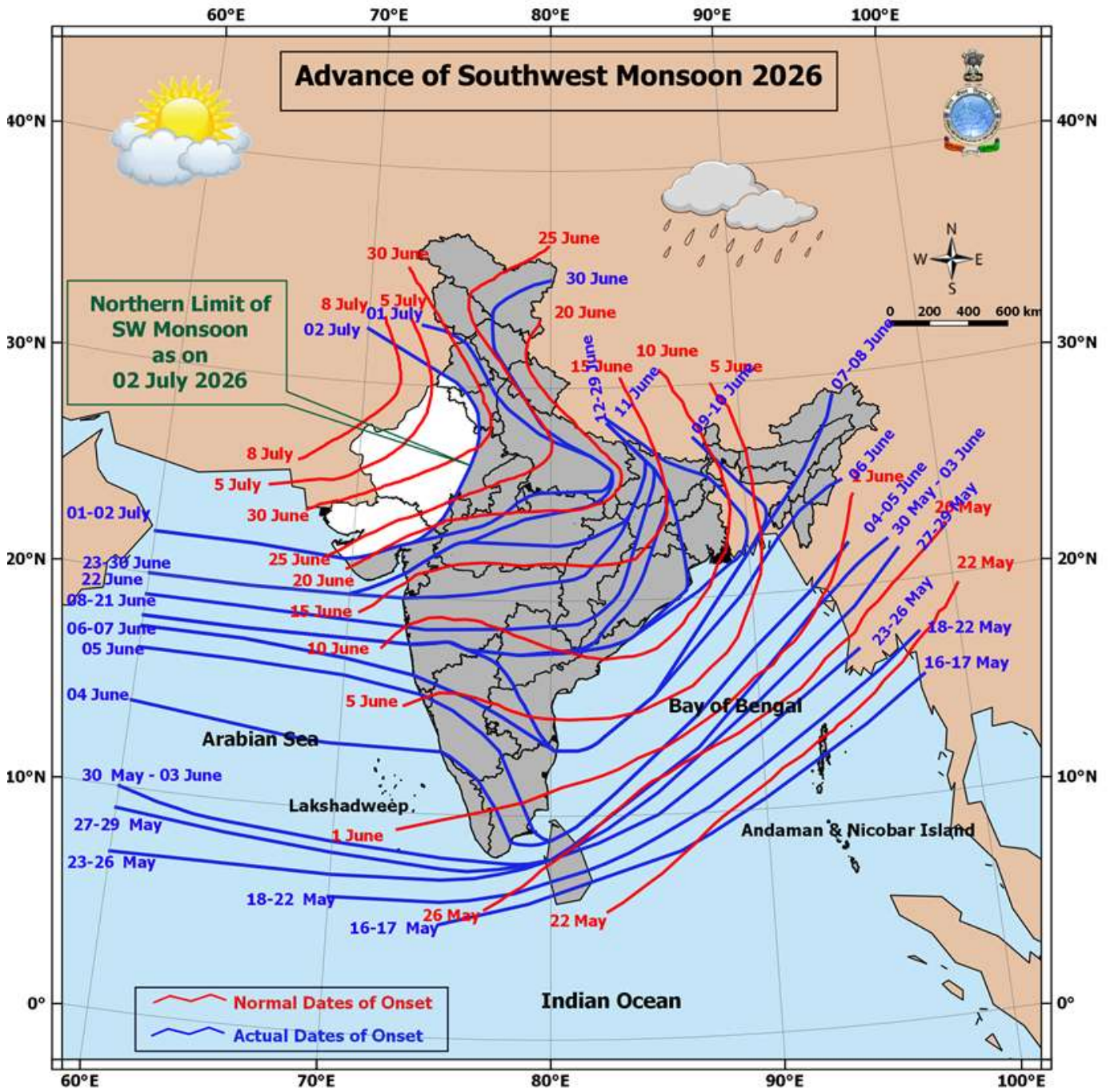
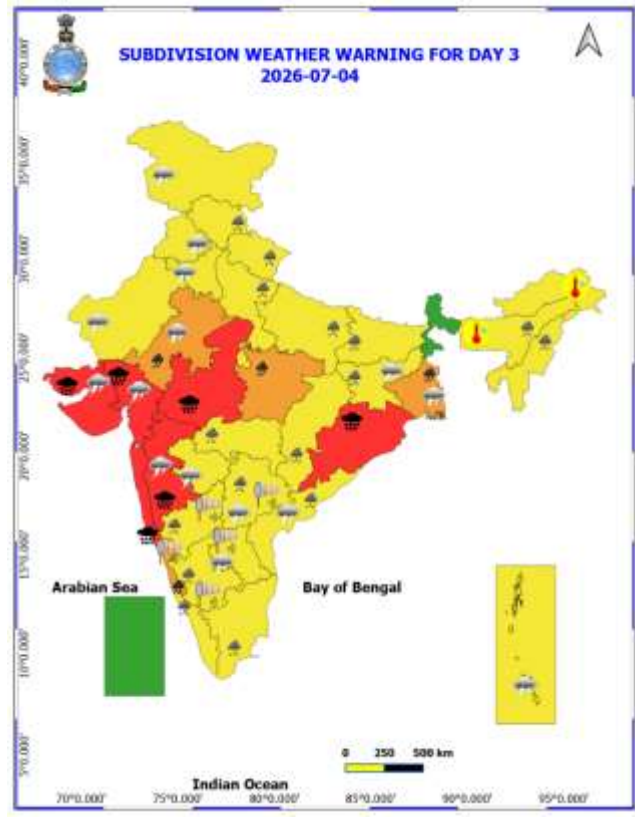
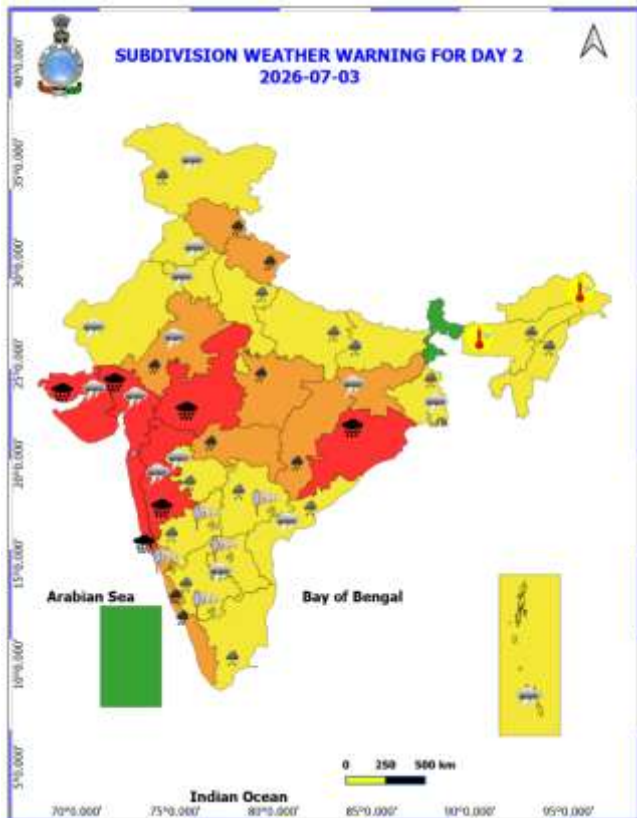
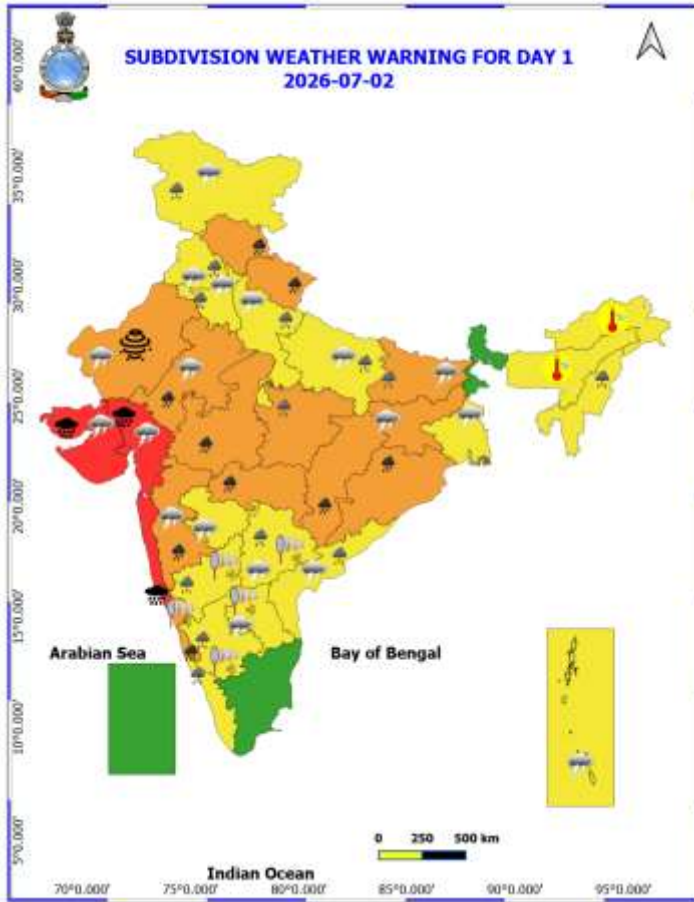
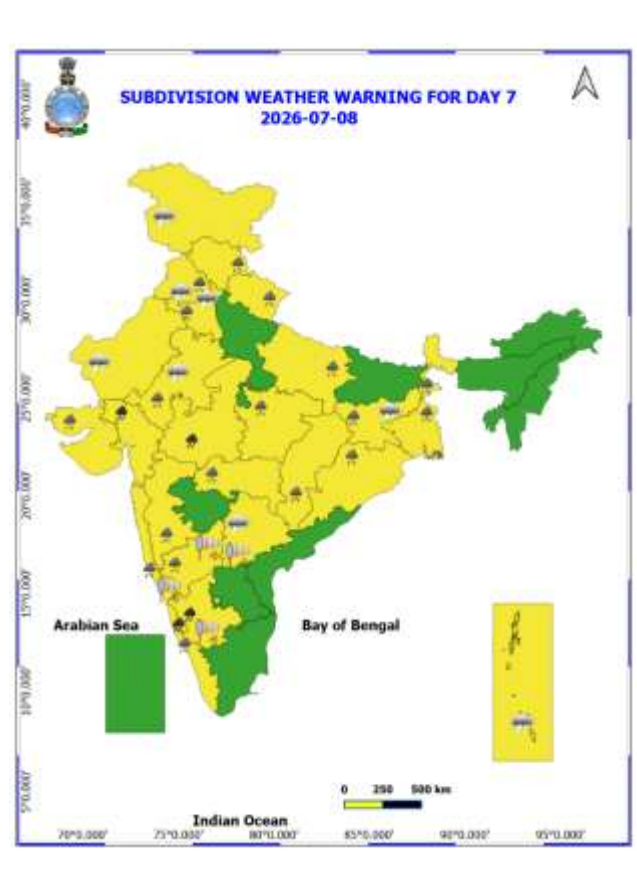
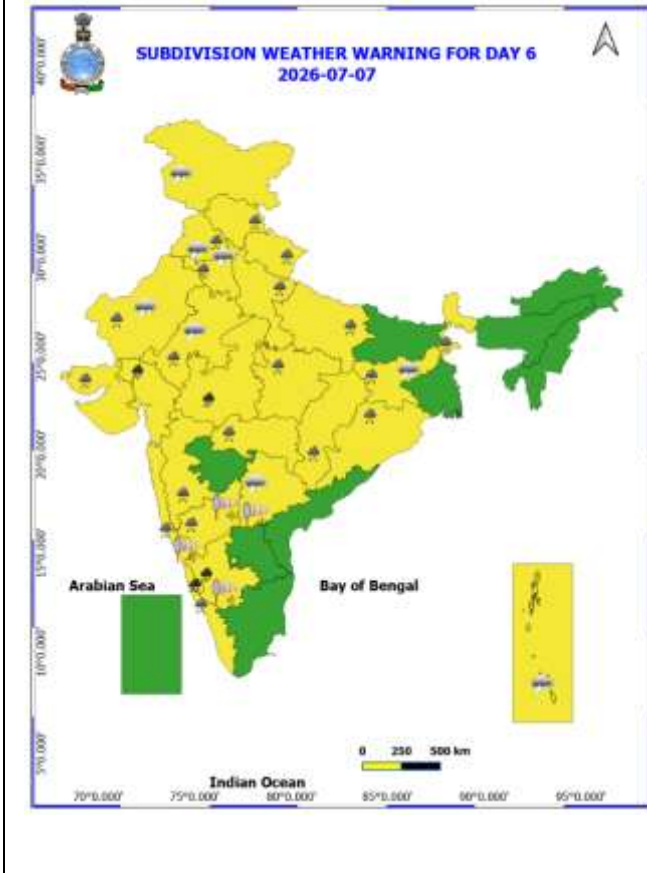
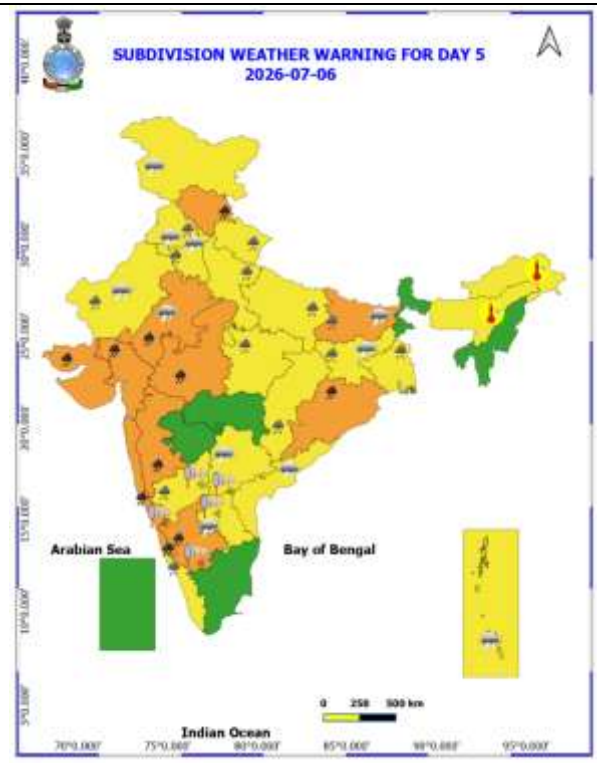
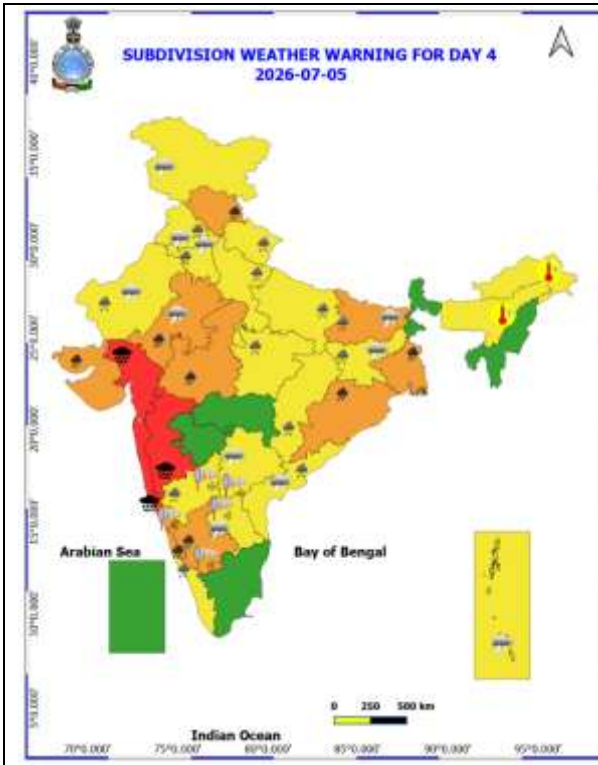


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	2- Jul	3- Jul	4- Jul	5- Jul	6- Jul	7- Jul	8- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	W	W	W	W	W	W	W
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	W	W
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	W	W	W	W	W
7	ODISHA	W	W	W	W	W	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
12	UTTARAKHAND	W	W	SCT	W	W	W	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
14	PUNJAB	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	W	FWS	SCT	FWS	W	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	W	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	W	W	W	W	W	W
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	W	W	W	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	W	W	W	W	FWS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	W	W	W	W	W	W	W
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	W	FWS	FWS	SCT	ISOL
25	MARATHWADA	W	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	W	W	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	SCT	W	SCT	W	SCT	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	W	W	W	W	W	W	W
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	W	W	W	FWS	FWS	W	W
36	LAKSHADWEEP	W	W	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

02 से 05 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान**पिछला मौसम:**

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 6-7°C और न्यूनतम तापमान में 4-5°C की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35°C और न्यूनतम तापमान 21-24°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा। अधिकतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आम तौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन पर हवा की गति 20 किमी/घंटा रही, जो कभी-कभी 56 किमी/घंटा तक पहुँच गई; हवा पूर्व दिशा से चल रही थी। पिछले 24 घंटों में कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई, जबकि कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हुई। आज सुबह इस इलाके में आम तौर पर बादल छाए रहने और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

02.07.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से रात के बीच कई जगहों पर हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है, साथ ही आंधी-तूफान/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) की तेज़ हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 30-32°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 18 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी।

03.07.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर से पहले के समय में बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ आंधी/बिजली कड़कने और 30-40 किमी/घंटा (जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) की तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 20°C से 22°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सुबह के समय ज़मीन पर मुख्य रूप से पूर्वी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्वी दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्वी दिशा से चलेगी।

04.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर से पहले बहुत हल्की से हल्की बारिश/आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, और दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर यह सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय ज़मीन पर मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्वी दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 18 किमी/घंटा हो जाएगी और यह पूर्वी दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 10 किमी/घंटा हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्वी दिशा से चलेगी।

05.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर से पहले बहुत हल्की से हल्की बारिश/आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से बहुत कम (-5.1°C या उससे कम) रहेगा; वहीं दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। मुख्य रूप से हवा पूर्व दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 10

किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पूर्व दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पूर्व दिशा से हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो सकती है।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान के कारण संभावित असर और सुझाव:

बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) के साथ आंधी-तूफान आने और धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियों का टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियों का गिरना, खड़ी फसलों को नुकसान, टहनियां गिरने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान, तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान, ढीली पड़ी चीज़ों का उड़ जाना।
- जन-सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम की जानकारी और बिगड़ते हालात पर नज़र रखें, घर के अंदर रहें और बाहर निकलने से बचें।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

धूल उड़ाने वाली ज़मीनी हवाओं के साथ आंधी, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियां टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियां गिरना, नुकसान...

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ कहीं-कहीं आंधी-तूफान की संभावना और उससे जुड़े सुझाव

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में तेज़ हवाओं के साथ तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) और मध्यम से लेकर ज़बरदस्त बिजली कड़कने की गतिविधि।
- ❖ संभावित असर:
- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी टहनियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ टहनियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और हो सके तो यात्रा न करें।

- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न खड़े हों।
- ❖ बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- ❖ तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीजों से दूर रहें।

भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव

- ❖ 3 और 4 तारीख को पश्चिमी मध्य प्रदेश और ओडिशा में; 2 से 5 तारीख के दौरान गुजरात क्षेत्र और कोंकण में; 2 से 4 तारीख के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में; और 3 से 5 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ मुख्य रूप से शहरी इलाकों में सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और अंडरपास बंद होने की स्थिति।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ कमज़ोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना है। □ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ का बहाव/ज़मीन धंसने जैसी घटनाएं।
- ❖ पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ कुछ नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदी में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के बारे में जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- ❖ अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफिक जाम की स्थिति देख लें।
- ❖ इस संबंध में जारी ट्रैफिक सलाहों का पालन करें।
- ❖ अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या वाले इलाकों में जाने से बचें।
- ❖ कमज़ोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ ओडिशा में, भारी बारिश के दौरान मूंग की बुवाई न करें। धान, मक्का, मोटे अनाज (मिलेट्स), दाल वाली फसलों और फलों के बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने का इंतज़ाम करें।
- ❖ बिहार में, गर्मी की मूंग की पकी हुई फलियों की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें। धान की नर्सरी और मक्के के खेतों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, जल-जमाव से बचने के लिए मक्का, रागी (फिंगर मिलेट) और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी के लिए सही चैनल बनाए रखें।

- ❖ उत्तराखंड में, धान, मक्का, टमाटर, मिर्च, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट) और रागी के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- ❖ उत्तर प्रदेश में, मक्का, मूंग और उड़द की पकी हुई फसलों की कटाई और मड़ाई का काम पूरा करें और उपज को सूखी जगह पर स्टोर करें।
- ❖ मध्य प्रदेश में, पकी हुई मूंग, सब्जियों और फलों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित जगह पर स्टोर करें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान और सब्जियों की नर्सरी में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- ❖ गुजरात में, धान की नर्सरी; गन्ने, भिंडी, सब्जियों, जिमीकंद (yam) और चीकू (sapota) के बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ कोंकण में, धान, रागी और सब्जियों की नर्सरी में बुवाई; मूंगफली और कद्दू-वर्गीय (cucurbitaceous) सब्जियों की बुवाई; और आम, नारियल, काजू और सुपारी जैसे नए बाग लगाने का काम टाल दें। धान और रागी की नर्सरी और धान व सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में, धान और रागी की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने का इंतज़ाम करें।
- ❖ विदर्भ में, सब्जियों की नर्सरी और फलों के बागों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- ❖ केरल में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों की फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। केले के पौधों को सहारा (staking) दें और सब्जियों की फसलों के पंजालों को मज़बूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।
- ❖ कर्नाटक में, पानी जमा होने से रोकने के लिए धान की सीडबेड (बीज-क्यारियों), धान के खेतों, सुपारी और नारियल के बागों और फलों के बागों में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- ❖ भारी बारिश की संभावना वाले क्षेत्रों में, जिनमें पूर्वी राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गंगा के मैदानी इलाके वाले पश्चिम बंगाल और अंडमान-निकोबार शामिल हैं, खड़ी फसलों में सिंचाई न करें और खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

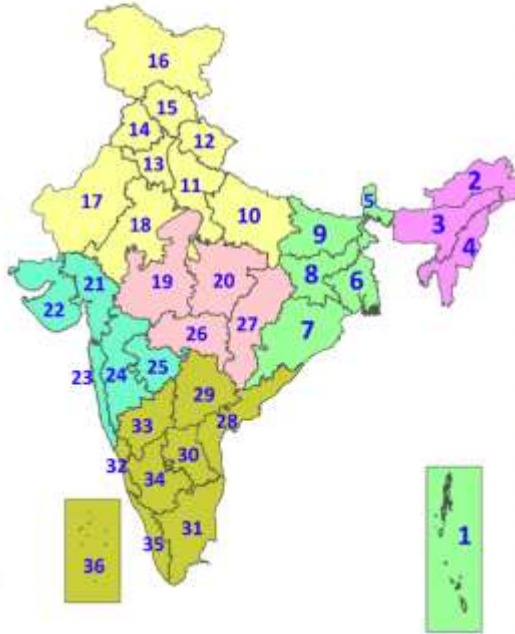
- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). **Criteria for heat wave for coastal stations**
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)